जब सब गए मेरे मोहन परदेश में भजन लिरिक्स

जब सब गए मेरे मोहन परदेश में,
तब से रहती हूँ पगली के वेश में,
कभी नींद न आये,
कभी नैना भर आये,
क्या मानू समझ लीजिए,
मेरे कान्हा को मुझसे मिला दीजिये,
मुझे वंशी की धुन फिर सुना दीजिये।bd।

गलियां ये सूनी लागे,
सूना अंगनवा,
कान्हा तो मिलते नाही,
आवे सपनवा,
कभी वंशी बजाए,
कभी दहिया चुराए,
क्या मानू समझ लीजिए,
मेरे कान्हा को मुझसे मिला दीजिये,
मुझे वंशी की धुन फिर सुना दीजिये।bd।

परसो कहा था,
देखो वर्षों न आये,
न ही वो खुद आये,
न संदेश आए,
मैं तो राह निहारु,
कान्हा कान्हा पुकारूँ,
'सचिन' मुझको मिला दीजिये,
मेरे कान्हा को मुझसे मिला दीजिये,
मुझे वंशी की धुन फिर सुना दीजिये।bd।

जब सब गए मेरे मोहन परदेश में,
तब से रहती हूँ पगली के वेश में,
कभी नींद न आये,
कभी नैना भर आये,
क्या मानू समझ लीजिए,
मेरे कान्हा को मुझसे मिला दीजिये,
मुझे वंशी की धुन फिर सुना दीजिये।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इंटरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com